The ARTist International: A Multidisciplinary Journal Dedicated to All Artist
Vol. 3, Issue 1 – 2019
ISSN: 2581-5393

आधुनिक पर्यटन और भारत

ललित त्रिपाठी

सांराश

पर्यटन आदिकाल से ही मुनुष्यों का स्वभाव रहा हैं, घूमना-फिरना भी मनुष्य के जीवन को आनन्द से भर देता है। इसका अनुमान मनुष्य ने पहले ही लगा लिया था। पहले लोग पैदल चलकर या समुद्र मार्ग से लंबी लंबी दूरियाँ तय कर अपने भ्रमण के शौक को पूरा करते थे। भारत में पर्यटन की बहुत अधिक संभावनाएँ नजर आती हैं परन्तु दुर्भाग्यवश इन संभावनाओं का पूरा-पूरा दोहन नहीं हो पाया है। इसके लिए हमें त्वरित उपाय करने होगे साथ-साथ दीर्घकालीन रणनीति भी अपनानी होगी।

भारत में पर्यटन व्यवसाय

पर्यटन आदिकाल से ही मुनुष्यों का स्वभाव रहा हैं, घूमना-फिरना भी मनुष्य के जीवन को आनन्द से भर देता है। इसका अनुमान मनुष्य ने पहले ही लगा लिया था। पहले लोग पैदल चलकर या समुद्र मार्ग से लंबी लंबी दूरियाँ तय कर अपने भ्रमण के शौक को पूरा करते थे।

कुछ लोग घोड़ो, ऊँटों पर चढ़कर समूह यात्रा करते थे। हालांकि ऐसी कई यात्राएँ व्यापार के उद्देश्यों से भी की जाती थी। परन्तु ऐसे लोगों की भी कमी नहीं जो यात्रा तो शिक्षा प्राप्ति के लिए करते थे, परन्तु उनकी यात्रा ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण बन जाती थी। ये लोग दूसरे देश की संस्कृति का अध्ययन कर अपने अनुभवों व अपने विचारों को ग्रंथ रूप में लिख देते थे। सेल्यूकस के दूत मेगस्थनीज ने अपनी पुस्तक इंडिका में मौर्यकाली भारत का बड़ा अच्छा वर्णन किया है। जहाँ तक भारत के लोगों का सवाल है हमारे यहाँ धार्मिक दृष्टि से की गई यात्राओं की बड़ी महत्ता रही है। यहाँ के लोग धर्मस्थानों की यात्रा को बहुत महत्व देते रहते है। आदि शंकराचार्य ने अल्प आयु में ही पूरे देश का भ्रमण कर देश के चार कोनों में चार धर्मपीठों की स्थापना की।

इन धर्मपीठों की व्यवस्था आज भी कायम है। सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए अनेक खत एशियाई देशों में भेजे। यह उनकी धार्मिक यात्राएँ इतिहास में बहुत सफल मानी गयी है। परन्तु

© Eureka Journals 2019. All Rights Reserved.

मध्य युग में स्थिति मे काफी बदला आ गया। भारतीय लोगों में यह भ्रांत धारणा उत्पन्न हो गई कि समुद्र लाँधकर की गई यात्रा से धर्म भ्रष्ट हो जाता है। अतः किसी भी भारतीय की समुद्रपरीय यात्रा का वर्णन नहीं मिलता है।

फिर भी अंतर्देशीय यात्रा के उदाहरणों की कोई कमी नहीं है। आधुनिक युग में पर्यटन संबंधी सभी भ्रांतियाँ समाप्त होने तथा आवागमन के साधनों के क्षेत्र में आए भारी बदलावों के कारण पर्यटन एक व्यवसाय के रूप में प्रतिष्ठित हो चुका है विभिन्न देशों के लोग दुनिया के अन्य देशों में जाकर वहाँ की सभ्यता और संस्कृति को निकट से देखने-समझने का प्रयास करते हैं। अनेक लोग देश के प्रमुख स्थलों की यात्रा कर देश के पर्यटन उद्योग को समुन्नत बनाने में योगदान देते हैं। आधुनिक युग में पर्यटन को एक व्यवसाय का रूप देने में लोगों की बढ़ती आर्थिक समृद्धि का भी बहुत बड़ा हाथ रहा है। पर्यटन में अच्छा खासा धन व्यय होता है। अतः धनी व और उच्च मध्यवर्गीय श्रेणी के लोग ही प्रमुख रूप से पर्यटन में दिलचस्पी दिखाते हैं। इन्ही साधन सम्पन्न लोगों की बदौलत दुनिया का पर्यटन व्यवसाय टिका हुआ है।

भारत में पर्यटन की बहुत अधिक संभावनाएँ नजर आती हैं परन्तु दुर्भाग्यवश इन संभावनाओं का पूरा-पूरा दोहन नहीं हो पाया है। हमारा देश बहु सांस्कृतिक व बहु धार्मिक देश है। यहाँ पर्यटन स्थलों की भी भरमार है। परन्तु पर्यटकों को आकर्षित करने वाली सुविधाओं को अभाव है। पर्यटन स्थलों को साफ सुथरा रखना, पर्यटन स्थलों तक पहुँच की सुगम एक आकर्षक बनाना, लोगों के निवास भोजन आदि की उतम व्यवस्था करना, पर्यटन स्थलों को मनोरंजन से भरपूर बनाना, सडक संचार व्यवस्था को सुधारना व लोगों को आकर्षित करने के लिए प्रचार करना आदि ऐसे उपाय जिन पर सुधार करके देश के पर्यटन व्यवसाय को विकसित किया जा सकता है। देश में सुदृढ़ आधारभूत ढाँचे का न होना, अत्यधिक भीड-भाड, सर्वत्र बिखरी गंदगी विदेशी पर्यटकों को भारत में आने से रोकती है। हमारी खास्ताहाल सडकें, ट्रेनों में शीघ्र आरक्षण न मिलना आदि समस्याएँ पर्यटन व्यवसाय पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। इसके अलावा कश्मीर, आसाम तथा अन्य उतर पूर्वी राज्यों में व्याप्त हिंसा देश के पर्यटन के लिए नुकसान देह सिद्ध हो रही है। देश में ऐतिहासिक स्थल तो बहुत है परन्तु आसपास का क्षेत्र गंदगी व प्रदुषण की चपेट में है। देश की राजधानी दिल्ली को ही लें तो लाल किले तथा जामा मस्जिद का क्षेत्र बाजार और संर्कीण गलियों के कारण आकर्षण से विहिन बना हुआ है। इसके अलावा विश्व की आश्चर्यजनक एवं अलौकिंक इमारत ताजमहल की भी घोर अपेक्षा की गई है। आगरा शहर देश के

© Eureka Journals 2019. All Rights Reserved.

सर्वाधिक गंदे शहरों में से एक है। ऐसे में हम कैसे उम्मीद कर सकते है, कि देश का पर्यटन व्यवसाय उन्तति करें।

यदि देश के पर्यटन को बढ़ाना हो तो हमे इसके लिए अनेक ठोस कदम उठाने हांगें। इस क्षेत्र में निजी उद्यमियों को निवेश के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। क्योंकि केवल सरकारी प्रसास कारगर नहीं हो सकते है। सरकारी योजनाओं को बनाने तथा उसे क्रियान्वित करने में भ्रष्टाचार आदि कई कारणों से लंबा समय लग जाता है, जो पर्यटन उद्योगों की वृद्धि को रोक देता है। यह शुभ लक्षण है कि अब सरकार वस्तुस्थिति को समझकर हर क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी को सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है। यदि सही दिशा में प्रयास किये जाएँ तो अगले पाँच वर्षों में ही भारत में पर्यटन व्यवसाय के विकसित होने से देश को बेशकीमती विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होगी तथा भुगतान संतुलन की स्थिति को सुधारने में बहुत मदद मिलेगी। आज दुनिया में कई ऐसे देश है जहाँ की अर्थव्यवस्था में पर्यटन व्यवसाय बहुत महत्पपूर्ण भूमिका निभाता है। सुनियोजित प्रयत्न से हम भी अपना लक्ष्य हासिल कर सकते है। भारतीय पर्यटन उद्योग को विकसित करने में एक बड़ी बाधा जो वर्तमान समय मे दिखाई दे रही है वह है आतंकवाद। आतंकवाद भारत के सभी प्रमुख स्थलों पर अपनी जड़े जमा चुका है। कश्मीर में पर्यटन उद्योग आतंक के साए में दम तोड चुका है। जब की इस स्थान को धरती के स्वर्ग के नाम से जाना जाता है। विदेशी पर्यटकों का अपहरण उनके साथ दुर्व्यवहार, ठगी आदि घटनाओं में वृद्धि हो रही है। जिसके कारण भारत की छवि दुनिया में धुमिल होती है। इन तत्वों को दूर करने के लिए हमें त्वरित उपाय करने होगे साथ-साथ दीर्घकालीन रणनीति भी अपनानी होगी।

भारत का पर्यटन और स्वास्थ्यप्रद पर्यटन मुहैया और कराने की दृष्टि से विश्व में 5 वाँ स्थान है। भारत जैसे विरासत के धनी राष्ट्र के लिए पुरातात्विक विरासत केवल दार्शनिक स्थल भर नहीं होती वरन् इसके साथ ही वह राजस्व प्राप्ति का स्रोत और अनेक लोगो को रोजगार देने का माध्यम भी होती है। पर्यटकों के लिए भारतीय बाजार विविधताओं से भरा स्थान है। इन विविधताओं के आर्थिक पहलुओं को देखते हुए शिल्प आदि क्षेत्रों के संवर्धन हेतु ठोस सरकारी प्रयासों का परिणाम एक नई आर्थिक संभावना के रूप में देखा जा सकता है। तथा नए चिह्नित पर्यटन स्थलों पर ढांचागत सुविधाओं का रोजगार के अवसरों की उपलब्धिता बढ़ाई जा सकती है। पर्यटकों के लिए कैम्पिंग स्थलों का संचालन करने से भी स्थानीय युवकों को काम मिल सकता है। इसके लिए उन्हें प्रशिक्षित जनशक्ति की जरूरत पढ़ेगी। खानपान की सूची में स्थानीय पकवान, स्थानीय फल सब्जियाँ मीट, दूध, पोल्ट्री अंडे तथा मछलियां स्थानीय रूप से प्राप्त की जा सकती हैं। कुछ ग्रामवासी प्रयास करके इन चीजों की आपूर्ति कर

© Eureka Journals 2019. All Rights Reserved.

सकते हैं। कुछ स्थानीय युवकों को गाइड के रूप में काम करने के अवसर मिल सकते हैं। ये आने वाले पर्यटकों को अडोस-पडोस की पहाड़ियों और जंगलों की सैर करा सकते है और स्थानीय वनस्पतियों और जीव-जंतुओं तथा ऐतिहासिक और पौराणिक स्थलों की तरह अपने समुदाय और लोक जीवन का परिचय दे सकते हैं। स्थानीय पर्यटन स्थलों को रोचक ढंग से प्ररस्तुत करके ये नाम कमा सकते हैं। स्थानीय बुनकर और कारीगर अपने उत्पाद प्रदर्शित करके पर्यटकों के आकर्षित कर सकते है। इन कारीगरों को अपने हस्तशिल्प और बनाए गए परिधानों को पर्यटकों के सामने प्रस्तुत करने के अवसर दिए जा सकते हैं।

पर्यटन गरीबी दूर करने, रोजगार सृजन और सामाजिक सद्भाव बढ़ाने का संशक्त साधन है। 27 सितम्बर 2013 को दुनियाभर ये विश्व पर्यटन दिवस मनाया गया जिसका मुख्य विषय हिन्दी यही था। इस विषय से ही पता चल जाता है कि पर्यटन विकासशील देशों के लिए कितना सार्थक और महत्वपूर्ण है। हालांकि पर्यटकों को अनेक विद्वानों ने अपने अपने ढंग से परिभाषित किया हैं। पर्यटन व्यवसाय एक फलता-फुलता व्यवसाय बन गया हैं । इससे राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को बल मिलता है। इसमें स्थानीय पर्यावरण में सुधार लाने तथा परिवहन, होटल खान-पान और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में सेवाओं और माल की गुणवता बेहतर करने की शक्ति निहित है। पर्यटन से स्थानीय युवकों को नए-नए क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मिलते हैं। पर्यटन से सांस्कृतिक गतिविधियों में तेजी आती है और पर्यटकों तथा उनके मेजबान के बीच बेहतर और समझदारी पूर्ण तथा संबंध विकसित होते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर इससे विदेशी मुद्रा की मोटी कमाई होती है। किसी भी देश के लिए महत्वपूर्ण है सच्चाई यह है कि दुनिया के 83 प्रतिशत विकासशील देशों में पर्यटन देशी मुद्रा अर्जित्त करने का प्रमुख साधन हैं। पर्यटन सेवा क्षेत्र का एक ऐसा उभरता हुआ उद्योग है। जिसमें अपार सम्भावनाएँ निहित है। भारत अतुलनीय प्राकृतिक स्थलों के साथ ही वैश्विक स्तर पर एक बड़े जैविक आयामों के क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, जो पारिस्थितिकीय पर्यटन की दृष्टि से सकारात्मक पक्ष है। पर्यटकों के लिए भारतीय बाजार विविधताओं भरा स्थान है। इन विविधताओं के आर्थिक पहलुओं को देखते हुए शिल्प आदि क्षेत्रों में संवर्धन हेतु ठोस सरकारी प्रयासों का परिणाम एक नई आर्थिक संभावना के रूप में देखा जा सकता है। नये चिह्नित पर्यटन स्थलों पर ढांचागत सुविधाओं का विकास कर न केवल शहरी बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोजगारों के अवसरों की उपलब्धता बठाई जा सकती है। अतः पर्यटन संसाधनों सुविधाओं और सेवाओं आदि प्राथमिकताओं को बढ़ाकर पर्यटन क्षेत्र के सामने आ रही प्रतिस्पर्धात्मक बाधाओं से दूर कर इस उद्योग में विकास की और अधिक संभावनाओं की तलाश की जा सकती है।

© Eureka Journals 2019. All Rights Reserved.

ISSN: 2581-5393

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. भारत मे पर्यटन-राजेश कुमार व्यास, प्रभात प्रकाशन।
2. पर्यटन एक संजीवनी-डॉ. लिली जोशी, रोहन प्रकाशन।
3. भारत में आधुनिक पर्यटन-महिमा जोशी, अमित कुमार, अतुल जोशी, रावत प्रकाशन।
4. धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थल-विमल कुमार कपूर प्रकाशन-डिस्कवरी प्रकाशन हाउस।

© Eureka Journals 2019. All Rights Reserved.